चींटियों के शहर

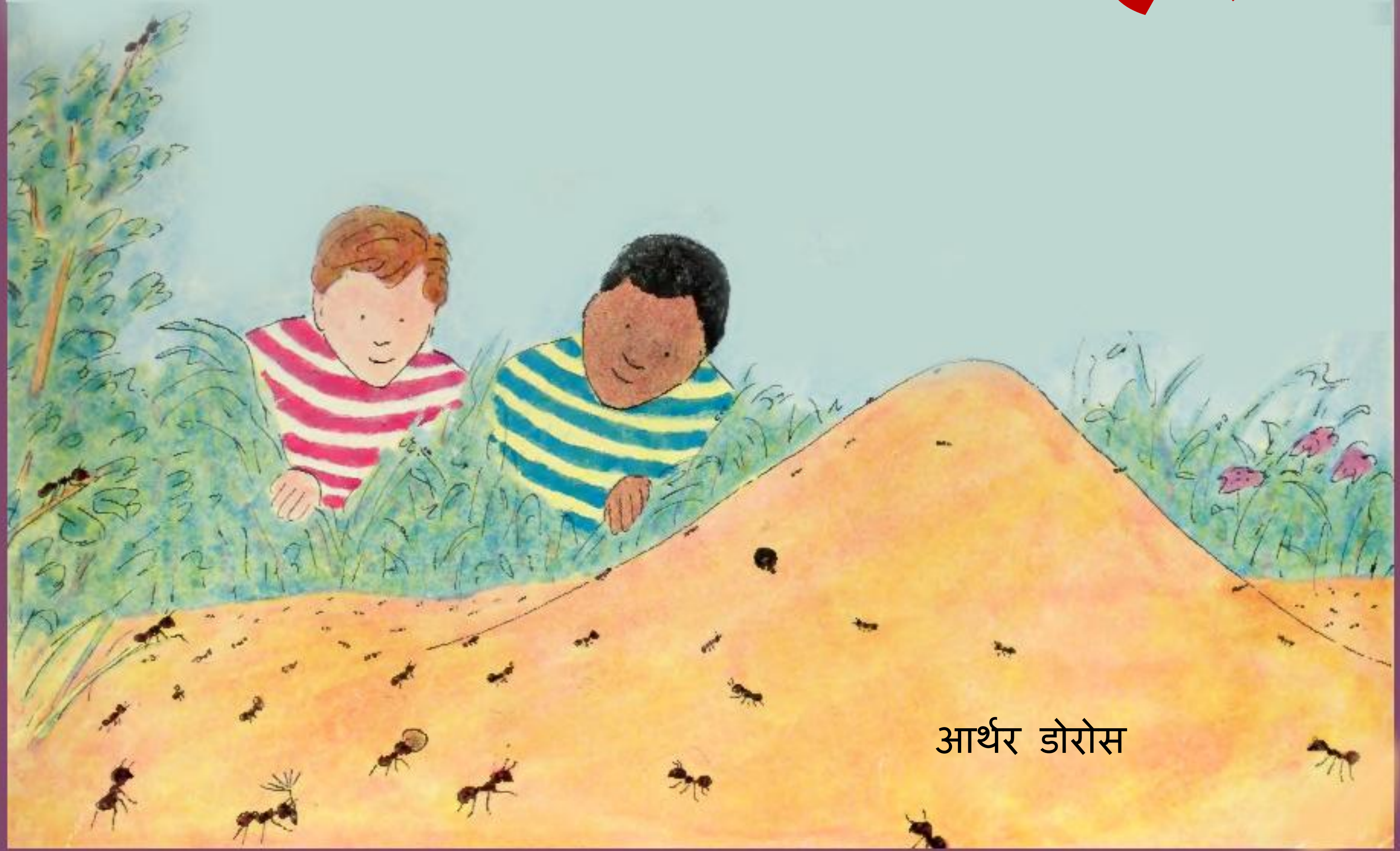

आर्थर डोरोस

चींटियों के शहर

आर्थर डोरोस

क्या आपने चींटियों को किसी मिट्टी के ढेर पर दौड़ते हुए देखा है?

आपको चीटियां बड़ी बेतरतीबी से इधर-उधर दौड़ती हुई लग सकती हैं.

लेकिन चींटियों ने उस टीले को अपने रहने के लिए बनाया है,

और उस बड़ी कॉलोनी में हर चींटी का अपना एक ख़ास काम है.

कुछ चींटियाँ टीले के एक छोटे से छेद में गायब हो जाती हैं. यह छेद उनके घोंसले का द्वार है.

ये हार्वेस्टर चींटियाँ हैं. उनका घोंसला कई कमरों और सुरंगों से मिलकर बना होता है. उस घोसले को उन छोटी चींटियों ने ही बनाया है.

टीले के नीचे मीलों लंबी सुरंगें और सैकड़ों कमरे हो सकते हैं. हज़ारों चींटियों के पैरों से फर्श घिसकर चिकना हो जाता है. घोंसले के अंदर अँधेरा होता है. लेकिन चींटियाँ वहां पर आराम से रहती हैं.

घोंसले के कमरों में, श्रमिक चींटियाँ कई तरह के काम करती हैं. वो बिल्कुल एक शहर जैसा है - चींटियों का एक व्यस्त शहर.

कुछ चींटियाँ उस शहर में भोजन लेकर आई हैं. हार्वेस्टर चींटियाँ को बीज पसंद हैं.

कुछ श्रमिक चींटियाँ बीजों की भूसी छीलती हैं. कुछ अन्य श्रमिक चींटियाँ भूसी को बाहर फेंकती हैं.

चींटियाँ बीजों को चबाकर उनका रस चूसती हैं और फिर उस रस को दूसरी चींटियों को पिलाती हैं.

अन्य श्रमिक चींटियाँ भविष्य के खाने के लिए बीज जमा करती हैं.

सभी चींटियाँ भोजन जमा नहीं करतीं. लेकिन हार्वेस्टर चींटियाँ वो काम करती हैं.

घोंसले के एक कमरे में, एक रानी चींटी अंडे देती है. श्रमिक चींटियाँ अंडों को दूसरे कमरों में ले जाकर उनकी देखभाल करती हैं.

चींटियों के प्रत्येक शहर में कम-से-कम एक रानी चींटी होनी चाहिए. रानी के बिना चींटियों का कोई शहर नहीं बन सकता. चींटियों के शहर में, बाकी सभी चींटियाँ, रानी द्वारा दिए गए अंडों से ही विकसित होती हैं.

शुरुआत में, छोटे अंडे लार्वा में विकसित होते हैं. श्रमिक चींटियाँ लार्वों को खिलाती हैं और उन्हें चाटकर साफ़ करती हैं ताकि वे अच्छी तरह से विकसित हो सकें.

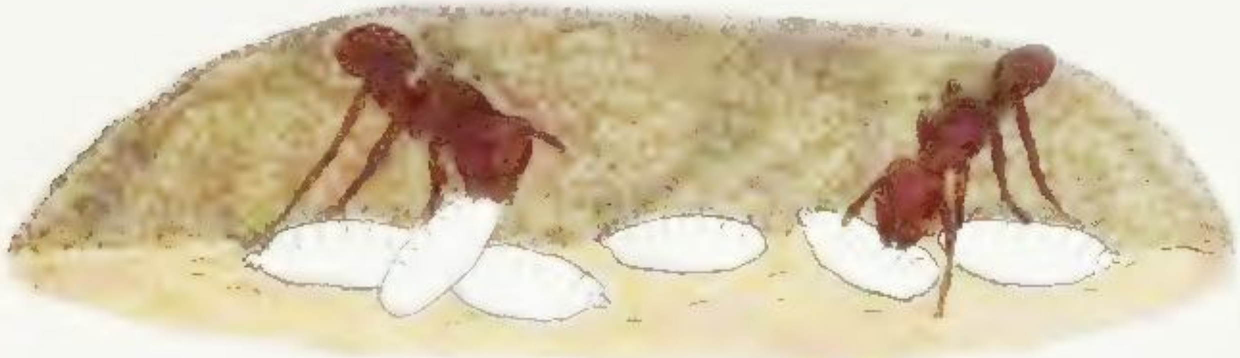

फिर लार्वा, प्यूपा में विकसित होते हैं. श्रमिक चींटियाँ प्यूपा को तब तक संवारती रहती हैं जब तक वे वयस्क नहीं हो जाते.

रानी चींटी हज़ारों अंडे देती है. ज़्यादातर अंडे श्रमिक चींटियों में विकसित होते हैं. एक चींटी शहर में, केवल एक रानी चींटी ही हो सकती है, लेकिन उसमें हज़ारों श्रमिक चींटियाँ हो सकती हैं.

रानी

रानी आमतौर पर दूसरी चींटियों से बड़ी होती है. वह अंडे देती है जो विकसित होकर निम्नलिखित में बदल जाते हैं:

श्रमिक

श्रमिक सभी मादा होती हैं. वे चींटी शहर में काम करती हैं. वे घोंसले की रक्षा के लिए भी लड़ती हैं.

नई रानियाँ

नई रानियों के पंख होते हैं. वे एक नए चींटी शहर को बनाने के लिए उड़ते समय पंखों का इस्तेमाल करती हैं. बाद में उनके पंख गिर जाते हैं, और फिर रानियाँ अंडे देती हैं.

नर

नर ज़्यादा समय तक घोंसले में नहीं रहते. वे नई रानियों के साथ संभोग करने के लिए उड़ते हैं और फिर मर जाते हैं.

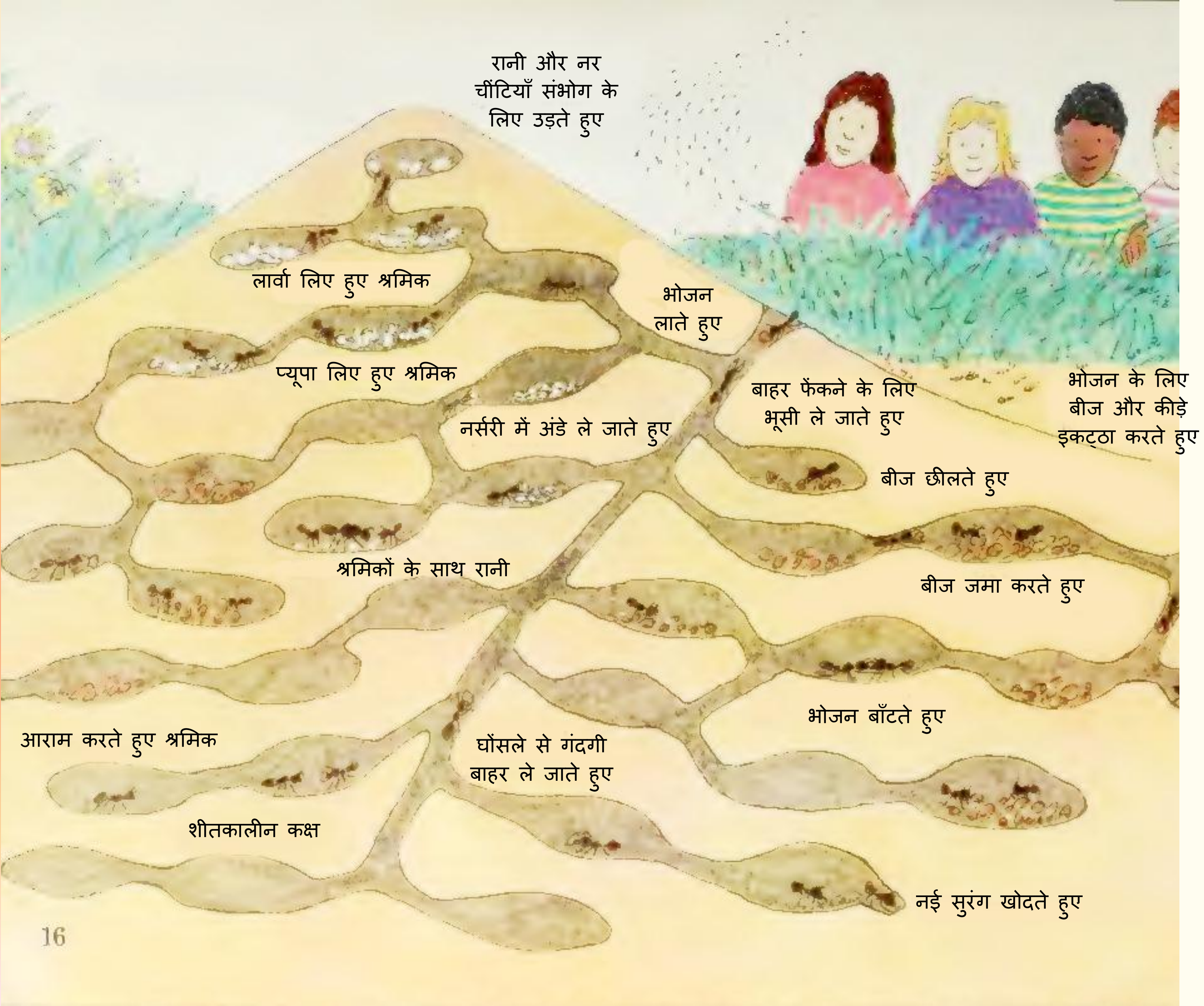

रानी, चींटी श्रमिकों को यह नहीं बताती कि उन्हें क्या करना है. लेकिन मज़दूर व्यस्त रहते हैं. हर चींटी के पास कुछ खास काम होता है. चींटियाँ मिलकर पूरे चींटी शहर को ज़िंदा रखने के लिए काम करती हैं.

मज़दूर नए कमरे और सुरंगें खोदकर घोंसले को बड़ा बनाते हैं. वे कुत्तों की तरह खुदाई करने के लिए अपने पैरों का इस्तेमाल करते हैं. मज़दूर अपने जबड़ों और "दाढ़ी" में मिट्टी के टुकड़े उठाते हैं और उन्हें बाहर ले जाते हैं.

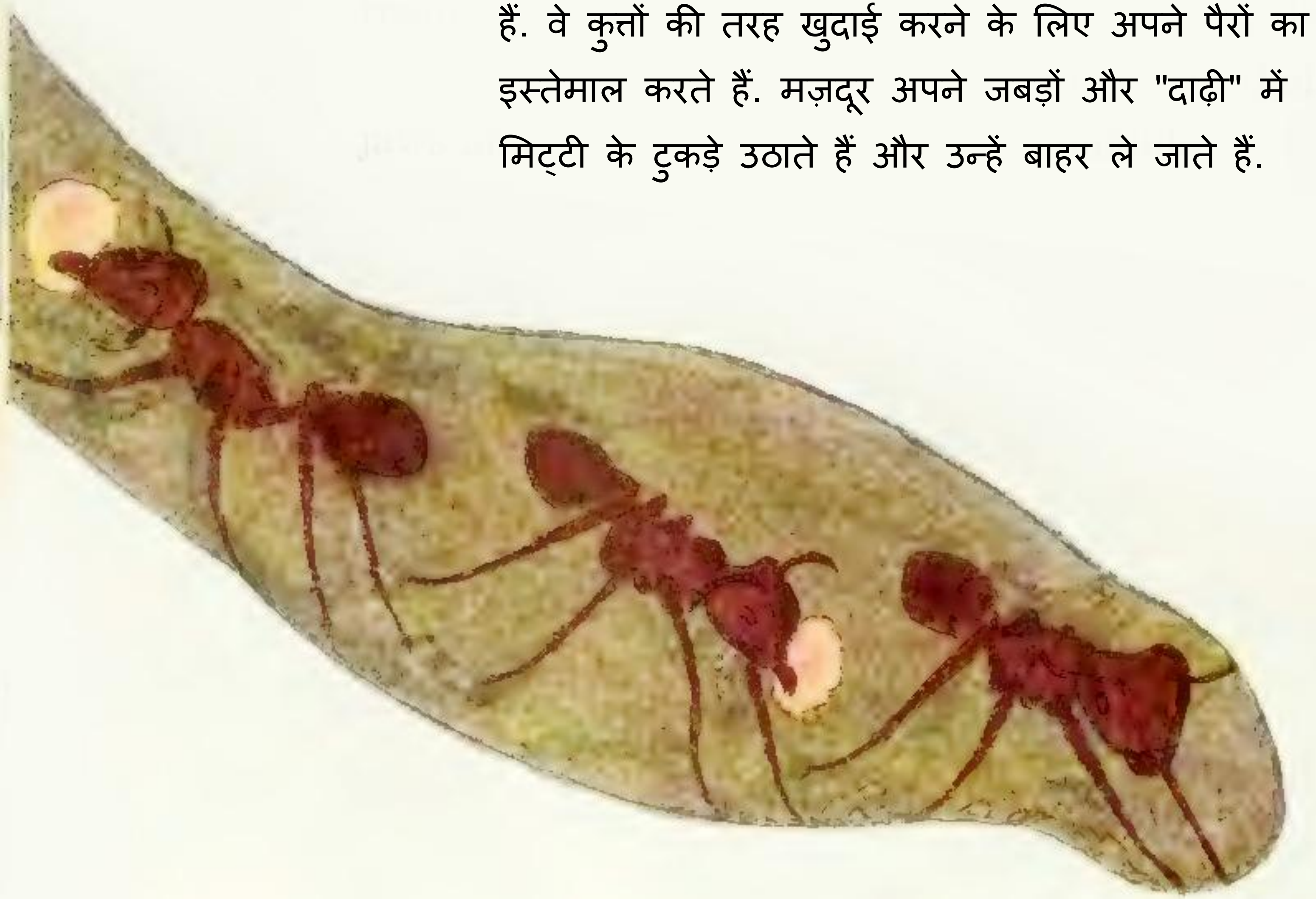

हार्वेस्टर चींटियों के टीले दो फ़ीट ऊँचे और छह फ़ीट चौड़े हो सकते हैं. कई अन्य चींटियाँ छोटे टीले बनाती हैं.

खुदाई से निकली मिट्टी ही चींटियों के टीले का निर्माण करती है. चींटियाँ बहुत अच्छी खुदाई और निर्माण मज़दूर होती हैं. कल्पना करें कि दो फ़ीट ऊँचा टीला बनाने के लिए मिट्टी के कितने छोटे कणों की ज़रूरत होगी.

हार्वेस्टर चींटी के टीले के आसपास, मज़दूर चींटियां भोजन की तलाश करती हैं. हार्वेस्टर चींटियाँ ज़्यादातर बीज खाती हैं. लेकिन कभी-कभी वे कीड़े भी खाती हैं.

चींटियाँ दूसरे कीड़ों को पकड़ने या खुद को बचाने के लिए उन्हें काट और डंक मार सकती हैं. सावधान रहें, क्योंकि कुछ प्रकार की चींटियाँ आपको भी काट या डंक मार सकती हैं. अगर आप उनके घोंसले में खलल डालेंगे, तो हार्वेस्टर चींटियाँ आपको काट या डंक मारेंगी.

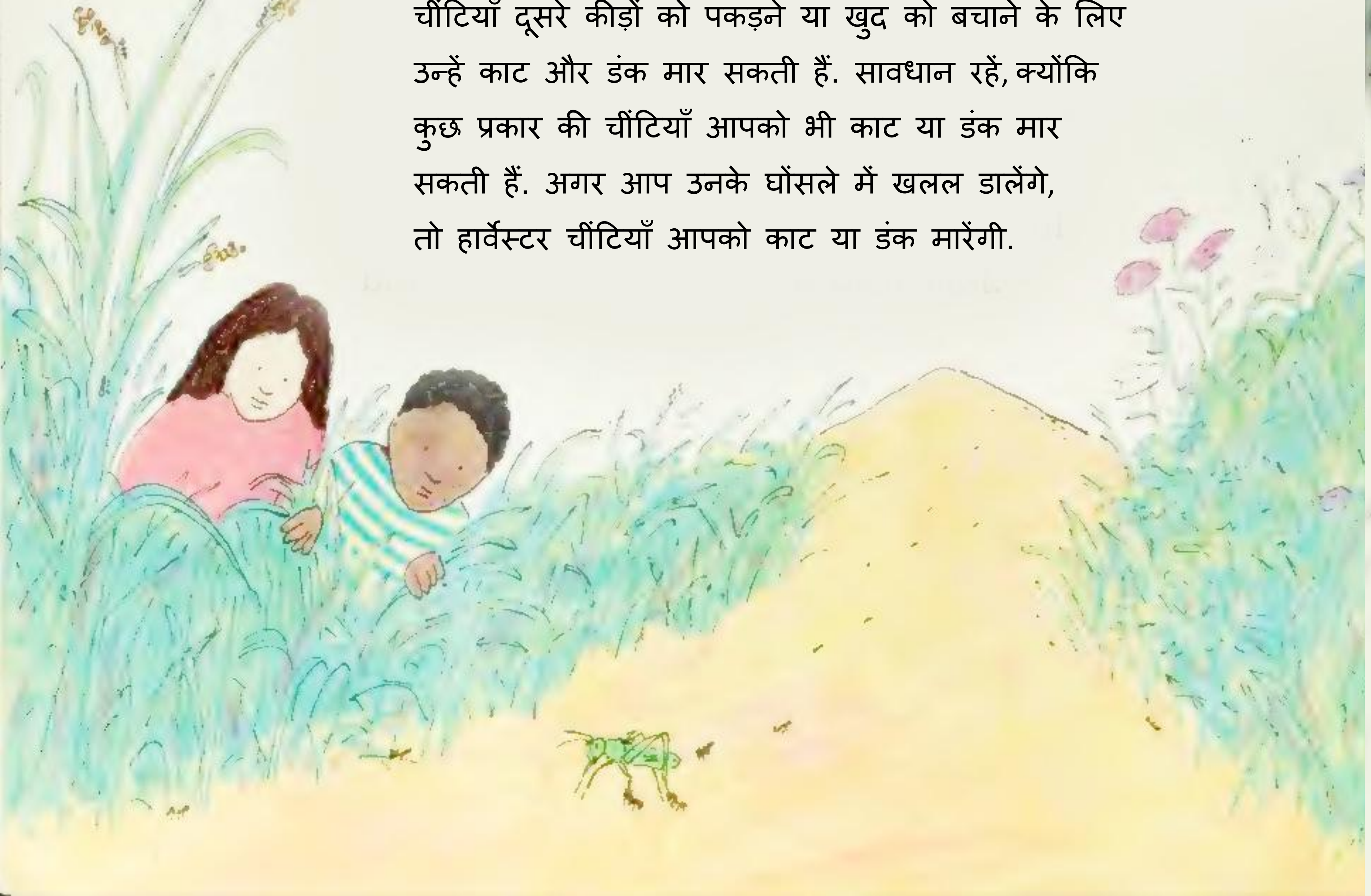

एंटेना साफ़ करने के लिए पैरों पर कंघी

चींटियाँ भोजन ढूँढ़ने में मदद के लिए अपने एंटेना का इस्तेमाल करती हैं. वे अपने एंटेना से छूती और सूंघती हैं.

एंटेना साफ़ करना

चींटियाँ एंटेना को छूकर एक-दूसरे से "बात" करती हैं.

अगर एक चींटी को भोजन मिलता है, तो दूसरी भी उसके पीछे आती हैं. जल्द ही बहुत सारी चींटियाँ दोपहर का भोजन ले जाएँगी.

अगर एक चींटी कुछ नहीं उठा सकती है, तो अन्य चींटियाँ उसकी मदद करती हैं. लेकिन हर श्रमिक चींटी मज़बूत होती है. एक चींटी अपने वज़न का पचास गुना भार तक चींटियों उठा सकती है. अगर लोग उतना भार उठा सकते, तो हम में से हरेक आदमी एक कार उठा पाता!!

श्रमिक चींटियाँ, भोजन को चींटियों के शहर में वापस ले जाती हैं. चींटियाँ जो खाना लाती हैं, वे उसे आपस में बाँट लेती हैं.

चींटियाँ कई तरह के खाद्य पदार्थ खाती हैं. लेकिन अलग-अलग प्रकार की चींटियों को अलग-अलग खाद्य पदार्थ पसंद होते हैं. चींटियों की 10,000 से ज़्यादा प्रजातियाँ हैं.

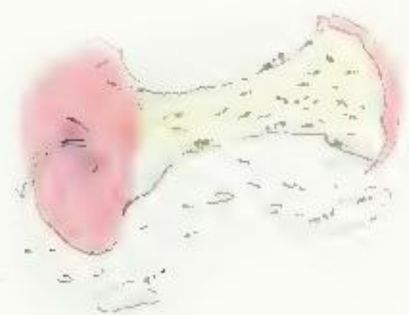

फॉर्मिका चींटियाँ ज़्यादातर उन कीड़ों का रस चूसती हैं जिन्हें वे मारती हैं.

कॉर्नफ़ील्ड चींटियाँ को एफिड्स से मिलने वाला मीठा रस, या "शहद" खाना पसंद है. एफिड्स पौधों से रस चूसते हैं. फिर चींटियाँ शहद के लिए एफिड्स का "दूध" निकालती हैं.

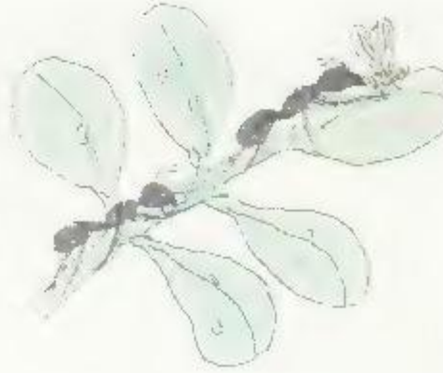

बढ़ई चींटियों को ख़ास तौर पर कीड़ों और पौधों से मिलने वाला मीठा रस पसंद होता है.

चोर चींटियाँ लोगों के घरों में और इधर-उधर पड़ी मिठाइयाँ और अन्य खाद्य पदार्थ खाती हैं.

पत्ती काटने वाली चींटियाँ (पैरासोल चींटियाँ) काटे गए पत्तों से भूमिगत बगीचे बनाती हैं. वे भोजन के लिए बगीचों में मशरूम उगाती हैं.

आर्मी चींटियाँ सेनाओं की तरह बड़े समूहों में यात्रा करती हैं. वे दीमकों सहित बड़ी संख्या में कीड़ों को खा जाती हैं.

विभिन्न प्रकार की चींटियों ने अपने शहर बनाने के कई तरीके खोज लिए हैं, इसलिए वे कई तरह की जगहों पर रह सकती हैं.

चौकीदार चींटियाँ पेड़ों की खोखली टहनियों में अपना घोंसला बनाती हैं. सैनिक चौकीदार चींटी—एक प्रकार की श्रमिक चींटी—का एक बड़े, प्लग के आकार का सिर होता है जिसका उपयोग वह दरवाज़े के रूप में कर सकती है.

चौकीदार चींटी के घोंसले का द्वार

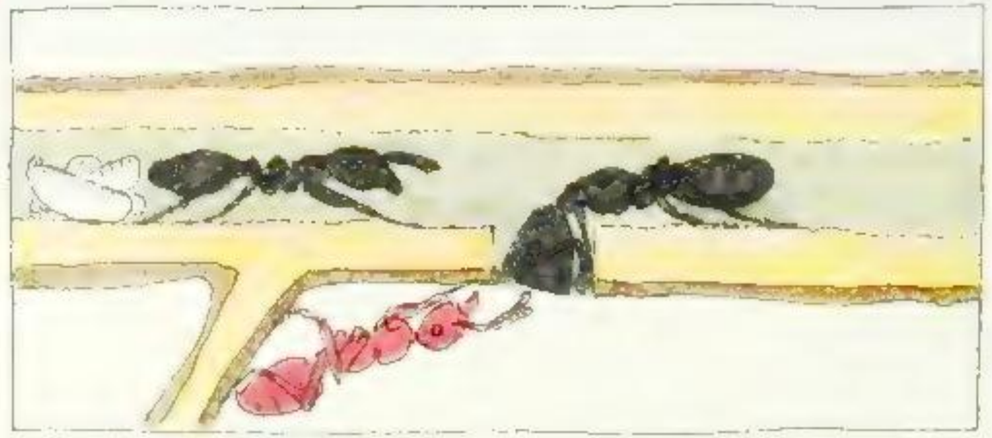

कई प्रकार की चींटियाँ पहाड़ियाँ या टीले बनाती हैं. अगर आपने हार्वेस्टर चींटियों के टीले नहीं देखे हैं, तो हो सकता है आपने फॉर्मिका चींटियों द्वारा बनाए गए गोल-शीर्ष वाले टीले देखे हों. कभी-कभी वे अपने टीलों को छप्पर से ढक देती हैं.

फुटपाथ चींटियाँ 1/4 इंच लंबी छोटी चींटियाँ होती हैं. हार्वेस्टर चींटियाँ भी लगभग 1/4 इंच लंबी होती हैं. कुछ चींटियाँ 2 इंच तक लंबी हो सकती हैं.

शायद आपने फुटपाथ चींटियाँ देखी होंगी.
वे फुटपाथ के नीचे रह सकती हैं.

या बढ़ई चींटियाँ, जो सड़ती हुई
लकड़ी में अपना घोंसला बनाती हैं.

चींटियों के छोटे शहर भी होते हैं. चींटियों के बड़े-बड़े शहर भी होते हैं जिनमें ढेरों चींटियाँ होती हैं. चींटियाँ सबसे ऊँची इमारतों की चोटी पर और समुद्र में जहाजों में भी पाई गई हैं.

चींटियाँ लगभग कहीं भी अपना शहर बना सकती हैं. चारों ओर देखें, आपको ज़रूर चींटियों से भरा कोई चींटियों का टीला मिल जाएगा.

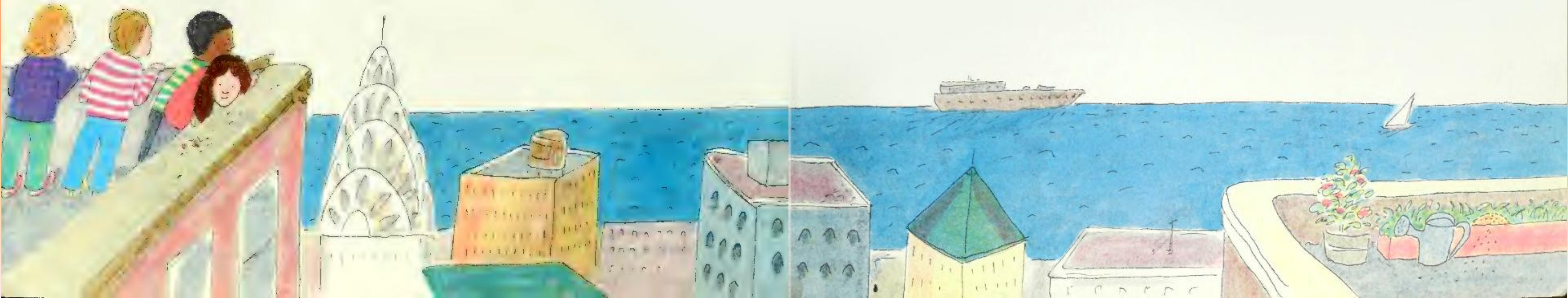

अगर आप चींटियों को करीब से देखना चाहते हैं, तो एक साधारण "चींटी फार्म" बनाने की कोशिश करें. आप ख़ुद भी चींटियों को सावधानी से इकट्ठा कर सकते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपका फार्म लंबे समय तक चले, तो उसमें एक रानी चींटी ज़रूर रखें.

आप इस तरह का एक चींटी फार्म या तो बना सकते हैं या फिर खरीद सकते हैं.

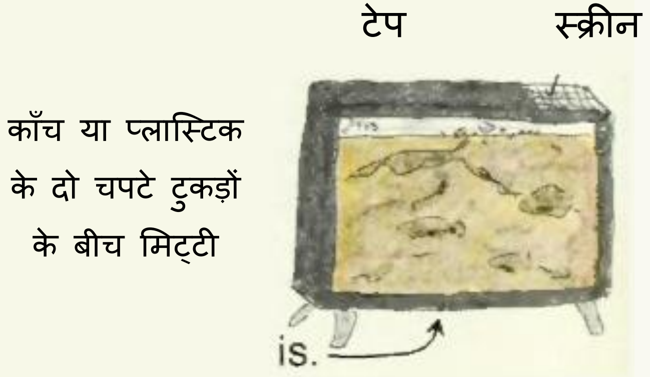

• आप मिट्टी को एक जार में छान सकते हैं, फिर चींटियों को उसमें डाल सकते हैं.

• जार में थोड़ा सा गीला स्पंज डालें ताकि चींटियों को पीने के लिए कुछ पानी मिले. अगर आप पानी सीधे जार में डाल देंगे, तो उसमें चींटियाँ डूब सकती हैं.

• जार में थोड़ा सा खाना डालें. बहुत ज़्यादा खाना, या गलत खाना, चींटियों के लिए अच्छा नहीं होगा. याद रखें, कुछ चींटियों को बीज पसंद होते हैं, कुछ को कीड़े. कुछ को मिठाई पसंद होती हैं. जहाँ से आप चींटियों को इकट्ठा करें, वहाँ पर देखने की कोशिश करें कि वे क्या खा रही थीं.

• अब आपके पास एक "चींटी फार्म" है.

• इसे एक अंधेरी जगह पर रखें, ताकि चींटियाँ ज़मीन के नीचे की तरह ही रहें. जब आप जार को रोशनी में लाएँगे, तो फिर आप चींटियों को अच्छी तरह देख सकेंगे.

क्या आपने कभी चींटियों को मिट्टी के ढेर पर इधर-उधर दौड़ते देखा है?

ऐसा लग सकता है कि वे कुछ खास नहीं कर रही हैं,

लेकिन उस ढेर में रहने वाली हर चींटी का एक खास काम होता है.

कुछ चींटियाँ घोंसला साफ करती हैं या नई सुरंगें खोदती हैं.

कुछ चींटियाँ खाना लाती हैं या बाद में खाने के लिए बीज जमा करती हैं.

और हर चींटी नगर में कम-से-कम एक रानी जरूर होती है.

भूमिगत सुरंगों और सैकड़ों कमरों में मीलों तक फैली चींटी नगरी

को जीवित रखने के लिए हर कोई मिलकर काम करता है.